

महीना	विषय वस्तु
अप्रैल-मई	व्याकरण : लिंग परिवर्तन, वचन परिवर्तन, नए शब्दों का निर्माण, क्रिया, काल, शुद्ध-अशुद्ध, मुहावरे । निबंध :- मेरा मित्र /मेरी सखी, वैशाखी का मेला
	पाठ-1 भारत के कोने-कोने से, पाठ-2 परमात्मा जो करता है, अच्छा ही करता है, पाठ-3 रक्तदान - एक बहुमूल्य संस्कार, पाठ-4 फूल और काँटा, पाठ-5 हार की जीत,
	प्रार्थना पत्र:- मित्र के प्रथम आने पर उसे बधाई पत्र, कहानी : दो बिल्लियाँ और एक बंदर,
	फारमेटिव-1 मूल्यांकन
जून	ग्रीष्मावकाश के दौरान अध्यापक अपनी सुविधानुसार विद्यार्थियों को कोई न कोई रचनात्मक कार्य दे सकते हैं।

जुलाई-अगस्त	व्याकरण :- भाववाचक निर्माण, पुरुष (उत्तम, मध्यम व अन्य पुरुष) समानार्थक (पर्यायवाची शब्द), नए शब्दों का निर्माण, विशेषण निर्माण, विपरीतार्थक शब्द, कहानी : खरगोश और कछुआ
	पाठ-6 राष्ट्र के गौरव प्रतीक, पाठ-7 आ री बरखा ! , पाठ-8 विजय दिवस, पाठ-9 स्वराज्य की नींव पाठ-10 बढ़े चलो, बढ़े चलो
	प्रार्थना पत्र :- गर्मियों की छुट्टियों में अपने घनिष्ठ मित्र को छुट्टियाँ एक साथ मनाने के लिए निमन्त्रण पत्र, खिड़की का शीशा टूट जाने पर क्षमा मांगते हुए प्रार्थना पत्र, निबंध : मेरी कक्षा का कमरा, मेरा अध्यापक
	फारमेटिव-2 मूल्यांकन
सितंबर	अध्यापक दिवस, हिंदी दिवस पर प्रतियोगिताएं करवायी जायें। (SA1 की तैयारी एवं परीक्षा)
अक्टूबर-नवंबर	पाठ-11 धीरा की होशियारी, पाठ-12 अशोक का शस्त्र त्याग, पाठ-13 साक्षरता अभियान, पाठ-14 गिल्लू, पाठ-15 धर्मशाला व्याकरण : वाच्य, विराम चिह्न, क्रिया विशेषण, समुच्चयबोधक, (योजक) सम्बन्धबोधक कहानी : हाथी और दर्जी, निबंध : श्री गुरु गोबिन्द सिंह, दीपावली प्रार्थना पत्र : बहन के विवाह पर अवकाश के लिए मुख्याध्यापिका को प्रार्थना पत्र ।
	फारमेटिव-3 मूल्यांकन
दिसम्बर-जनवरी	पाठ-16 कोई नहीं बेगाना, पाठ-17 अन्याय के विरोध में पाठ-18 सड़क सुरक्षा : जीवन रक्षा, निबंध : आँखों देखा मैच, प्रार्थना पत्र :- अपने मित्र को पत्र लिखकर बतायें कि आपका नया स्कूल किन-किन बातों में अच्छा है। व्याकरण :- विस्मयादिबोधक, मुहावरे, नए शब्दों का निर्माण, कहानी:- दो मित्र और रीछ, शेर और चुहिया
	फारमेटिव-4 मूल्यांकन
फरवरी	पाठ-19 दोहावली, पाठ - 20 में जीती व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध, नए शब्दों का निर्माण, मुहावरे। व्याकरण की दोहराई करवाई जाये।
मार्च	दोहराई और संकलित मूल्यांकन-2 की तैयारी

नोट: 1 उपर्युक्त के अतिरिक्त पाठों के अभ्यास करावये जायें। 2. अभ्यास गत अन्य प्रश्नों के साथ-साथ गुरुमुखी लिपि से देवनागरी लिपि में लिप्यंतरण और पंजाबी भाषा के शब्दों का हिंदी भाषा में अनुवाद करवाया जाये। 3. छात्रों को कठिन शब्दों के अर्थ समझाये जायें।